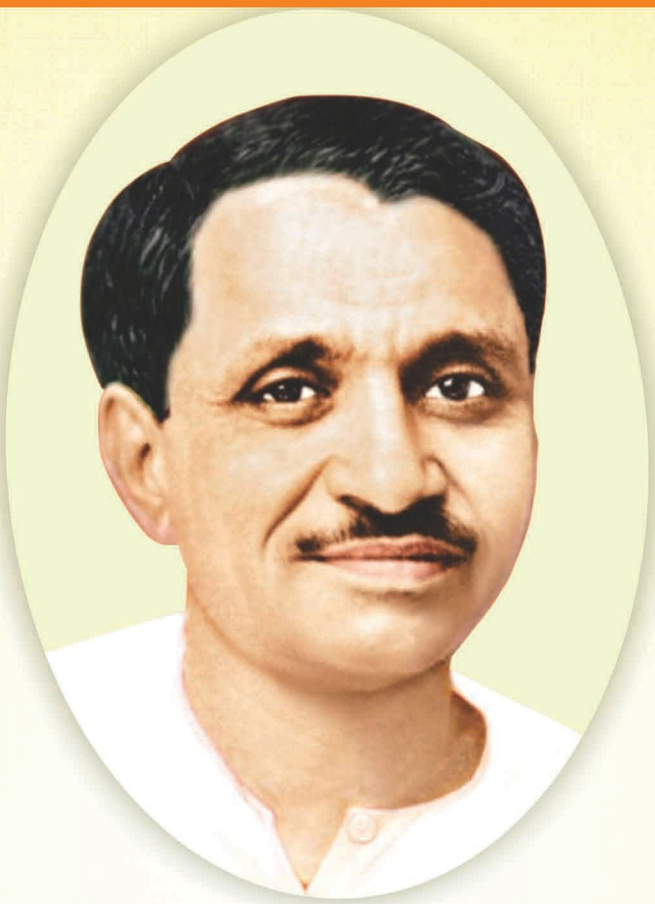

25 सितम्बर 1916 – 11 फरवरी 1968

स्वप्नदृष्टा, युगदृष्टा
एकात्म मानववाद के प्रणेता

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी

की जयंती पर प्रदेशवासियों का शत्–शत् नमन

"जिस दिन हम गरीबों को पक्के घर दिला देंगे,
जिस दिन हम उनके बच्चों को शिक्षित कर देंगे
और जिस दिन हम उनको काम देकर
उनका जीवन स्तर बेहतर कर देंगे
उस दिन हमारा मातृभाव सही अर्थों में व्यक्त होगा"

पं. दीनदयाल उपाध्याय